

उग्र में खयं सहायता समूह की 5.39 लाख महिलाओं...

पेज-02

मैं जिसके साथ हूं उसी के साथ ही रहूंगा : जयंत चौधरी

पेज-03

वर्ष 10 | अंक 313 | लखनऊ, 04 जुलाई 2023 | पृष्ठ 12 | ग्रन्ति 4.00

www.samriddhisamachar.com, info@samriddhinews.com, samradhinewsko@gmail.com

कानून का राज सुशासन की पहली शर्त : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, समृद्धि न्यूज़

● सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में निवेश का सर्वोत्तम गंतव्य बना उत्तर प्रदेश : सीएम योगी आदित्यनाथ

● 17.10 करोड़ की लागत से बने गोरखनाथ थाने व 5.42 करोड़ रुपये से निर्मित एस्स थाने के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण

● बोले सीएम- हाईटेक सिटी के लिए हाईटेक थाने व हाईटेक पुलिसिंग आवश्यक



शूपी पुलिस को बेहतर बनाने का श्रेय सीएम योगी को : संजय प्रसाद

कानून व्यवस्था मजबूत करने के रोल मॉडल हैं सीएम योगी

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुकल ने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत करने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी दुनिया के लिए रोल मॉडल हैं। 2017 के फैले योगी अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिए जाना जाता था कि योगी की वृद्धि छिपा दिखाई जाती थी। परं योगी जी के सीएम बनने के बाद ये कहानियां सामान हो गई हैं। पुलिस को फॉडम देकर उन्होंने कानून व्यवस्था को सुदूरप कर दिया है। अपराधी या तो जेल में हैं या योगी से भाग गए हैं। रविकिशन ने कहा कि आज जब फास जल रहा है तो वह को बुद्धिजीवी एक दिन के लिए सीएम योगी की मार्ग कर रहे हैं। गोरखनाथ थाना भवन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा थाना पूरे हिंदुस्तान में नहीं है। युटीले अंदाज में सांसद ने कहा कि यहाँ का लोकार्पण देखकर मन करता है कि यह बंद हो जाए। उन्होंने इस थाने में फिल्म शूटिंग की भी इच्छा व्यक्त की।

इनकी रही प्रमुख सहभागिता

लोकार्पण समारोह में महारोड़ डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुकल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, उर्दू अकादमी के अध्यक्ष श्रीधरी रैप्टूलरा, मुख्यमंत्री के सलाहकार पूर्ण अपर मुख्य सचिव अवनीश अवरस्थी, एस्स गोरखपुर गवर्नर्नग काउसिल के अध्यक्ष देश दीपक वर्मा, पुलिस महानिदेश शिक्षण योगियों की स्वीकृति मिली है। पुलिस का बजट 2 करोड़ से कम होता था, आज बजट 6 करोड़ से अधिक हो गया है।

विगत 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस

में प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा को अपराधकरण की धारणा के बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूर्व में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं थी

वाक्य और लोहागदा के बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

अपराधकरण की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर कार्य से आज प्रदेश के प्रति लोगों

की धारणा को बदलने के बावजूद व्यापारी और आम नारायणों को बात ही बदल गयी। 6 वर्ष पूर्व प्रदेश में

निरंतर

गुरु पूर्णिमा पर भक्तों ने गोरखगिरि की लगाई परिक्रमा

► गुरु गोरखनाथ, महार्षि वेद व्यास व श्रींगी ऋषि को किया नमन

महोबा। समृद्धि न्यूज़

गुरु पूर्णिमा पर भक्तों ने नाथ संप्रदाय के प्रणेता गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखगिरि पर्वत की परिक्रमा लगाई एवं सबके बेहतर स्वास्थ्य व जन कल्याण के लिए प्रभु से प्रार्थना की। साथ ही भक्तों ने बुद्धेलखड़ को अपनी तपश्चली बनाने वाले महर्षि वेदव्यास व श्रींगी ऋषि को भी नमन किया।

गोरखगिरि परिक्रमा समिति के प्रमुख प्रो. एलसी अनुरागी व बुद्धेलखड़ समाज के संयोजक तारा पारकर ने परिक्रमा के बाद बताया कि महाभारत ग्रंथ के रचयिता महर्षि वेदव्यास के अवतरण दिवस पर अधार पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। महर्षि वेदव्यास ने बुद्धेलखड़ के कालपत्र को लेकर नाथ संप्रदाय से जुड़ गए थे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हम इन तीनों महान् गुरुओं को नमन करते हैं। उन्होंने बताया कि गोरखगिरि परिक्रमा से अयोध्या के राजा दशरथ ने संतानोत्पत्ति के लिए यज्ञ करवाया था। गुरु गोरखनाथ 11वीं-12वीं शताब्दी में इनी गोरखगिरि पर्वत पर तप करते रहे। बाद में वीर आला ऊंसे दीशा लेकर नाथ संप्रदाय से जुड़ गए थे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हम इन तीनों महान् गुरुओं को नमन करते हैं। उन्होंने बताया कि गोरखगिरि परिक्रमा



की परिक्रमा सुबह 5.30 बजे शिवतांडव मंदिर से प्रारंभ हुई फिर महावीरन, पठवा के बाल हनुमान, केदरेश्वर महादेव, कबीर आश्रम, सकरे सन्ना, भूतनाथ आश्रम, काली माता, खो खो माता, शनिदेव, छोटी चौकिका, नारायणी, काल भैरव होते हुए एवं व्यापस शिवतांडव पर संपन्न हुई। इस पौर्वक पर गया प्रसाद, मनीष

जैदक, अशोक बाजपेयी, प्रवीण चौरसिया, प्रह्लाद पुरावा, दिनेश खरे, ऋषभ अग्रवाल, डा. देवेन्द्र पुरावा, श्रवण हरदय, प्रेम चौरसिया, विनोद सेनी सिजहरी, मानू शाह, दिलीप जैन, अवधेश गुरा, ऋषि सिंह, जगेश्वर, अजय चौरसिया, मधव खरे, संजय है इसलिए हम सभी को स्वच्छता और मूल मंत्र पर विशेष ध्यान देना चाहिए। और अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखना चाहिए, कूड़ा हमेशा कूड़े गाड़ी में ही डालें नालियों में व सड़कों पर कूड़ा बिल्कुल मत डालें, अपने क्षेत्र को सुंदर और स्वच्छ और स्वस्थ आरं बनाना है तो हम सभी को सहयोग करना होगा और सभी लोग स्वच्छता और ध्यान में रहते हुए अपना कूड़ा अवगत रह सेताम लोग मौजूद रहे।

आसमान छूते दामों से गरीब आदमी

की थाली से दूर हुआ टमाटर

► सरकारी रोजाना तीन शौ में चलेगा, छात्र छात्राओं को मिलेगी विशेष सुविधा



आसमान छूती मंहगाई निरंतर बढ़ती जा रही है। साम सब्जी से लेकर अन्य खाद्य पदार्थ के दामों में आई बढ़ती गरीबी को कमर तोड़ रही है। टमाटर व ही पत्ती गरीबों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। बता दें कि कस्बा समेत आसपास की सब्जी बाजार में टमाटर 120 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। द्वादश नालियों एवं माह जुलाई, 2023 को मोहर्म व श्रावण मास में शिव मान्दरों पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं माह जुलाई, 2023 में आयोजित होने वाली विभिन्न परिक्रमाओं के दृष्टिगत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदर्शन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की जाती है। इसके उपरांत आयोजित आदर्श व्यवस्था का अवसर पर विशेष धारा की धारा-144 के अन्तर्गत जनपद में असामाजिक व्यक्तियों/तत्वां द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने के विषय में गोपनीय सूचना को दृष्टिगत रखते हुए एक प्रक्षेप रूप से दण्ड प्रक्रिया संहिता क

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, साथी घायल

► फर्झखाबाद से मोबाइल सही कारकर घर जाते समय घटी घटना



रोते बिलासते भ्रष्टक के परिजन

कायमगंज, समृद्धि न्यूज़। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जनपद एटा के थाना राजा का ग्रामपुर थेट्र के ग्राम हव्वे गढ़िया निवासी 23 वर्षीय विधिन कुमार शाक्य पुत्र विनोद कुमार शाक्य अपने गांव के 45 वर्षीय रामलखन डीक्षित पुत्र कालीनवाले सही कराने पर फर्झखाबाद गया। वहाँ से देर रात्रि वापस अपने घर लौटते समय कायमगंज-अलीगंज मार्ग पर रानीपुर गाँव के निकट गयात्री धाम।